



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 367]
No. 367]

नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 2, 1984/श्रावण 11, 1906
NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 2, 1984/SRAVANA 11, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 2 अगस्त, 1984

का प्रा 556 (प्र) / 18 कक / आई डी आर ए/84— भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. 65 (प्र) / 18 कक / आई डी आर ए / 78 तारीख 4 फरवरी, 1978 द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त आदेश कहा गया है) आंध्र प्रदेश राज्य के श्रीकाकुलम जिले के कोबिली में सीसी विनिर्माण करने वाले वैमर्से श्रीराम गूगर्मे एंड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड से एक का (जिसे इनमें इसके पश्चात उक्त औद्योगिक उपक्रम कहा गया है) प्रबंध, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 कक की उपधारा (1) के खण्ड (ख) के अधीन, उक्त आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 4 नौन वर्ष की अवधि के लिए गठन किया गया था और निजाम गूगर्मे इंड्री लिमिटेड को उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबंध चला करने के प्राधिकृत किया गया था।

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के फैसले यावेस. का. आ 901 (प्र), तारीख 21 नवम्बर 1980, का. आ. 619 (प्र), तारीख 3 अगस्त, 1981, का प्रा 549 (प्र) तारीख 2 अगस्त, 1982, का प्रा. 83 (प्र) / 18 कक / आई डी आर ए / 84

तारीख 2 फरवरी, 1983, का प्रा. 517 (प्र) / 18 कक / आई डी आर ए / 83 तारीख 2 अगस्त, 1983 और का. प्रा. 65 (प्र) / 18 कक / आई डी आर ए / 81 तारीख 2 फरवरी, 1984 द्वारा उक्त आदेश 2 अगस्त, 1984 तक की जिनमें यह तारीख भी सम्मिलित है, अवधि के लिए जारी रखा गया था।

और केन्द्रीय सरकार का यह राय है कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम 31 दिसम्बर, 1984 तक की, जिनमें यह तारीख भी सम्मिलित है, और अवधि के लिए निजाम गूगर्मे इंड्री लिमिटेड के प्रबंध के अधीन बना रहे।

यह केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 कक की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए यह निदेश देती है कि उक्त आदेश 31 दिसम्बर, 1984 तक को, जिनमें यह तारीख भी सम्मिलित है, अवधि के लिए प्रभावी बना रहेगा।

[का. म. 4 (4) / 78- सी. यू. एस.]

MINISTRY OF INDUSTRY
(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 2nd August, 1984

S.O. 556(E)/18AA/IDRA/84.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of

Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 65(E)|18AA|IDRA|78, dated the 4th February, 1978 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the Unit of Messers Sri Rama Sugars and Industries Limited manufacturing sugar at Bobbili in District Srikakulam in the State of Andhra Pradesh (hereinafter referred to as the said industrial undertaking) was taken over under clause (b) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of three years from the date of publication of the said Order in the Official Gazette and the Nizam Sugar Factory Limited was authorised to take over management of the said industrial undertaking;

And, whereas, by the Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) Nos. S.O. 901(E), dated the 21st November, 1980, S.O. 619(E), dated the 3rd August, 1981, S.O. 549(E), dated the 2nd August, 1982, S.O. 83(E)|18AA|IDRA|83, dated the 2nd February, 1983, S.O. 547(E)|18AA|IDRA|83, dated the 2nd August, 1983 and S.O. 65(E)|18AA|IDRA|84, dated the 2nd February, 1984 respectively the said Order was continued for a period upto and inclusive of the 2nd August, 1984;

And, whereas, the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the said industrial undertaking should continue under the management of the Nizam Sugar Factory Limited for a further period upto and inclusive of the 31st December, 1984;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 31st December, 1984.

[F. No. 4(4)|78-CUS]

का. प्रा. 557 (प्र) / 18वख / प्राई डी आर ए/84. — केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का. प्रा. 958(प्र) / 18 वख / प्राई डी आर ए / 80 तारीख 10 दिसम्बर, 1980 द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त आदेश कहा गया है) उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 वख की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा की थी कि उक्त आदेश के जारी किए जाने की तारीख से ठीक पहले प्रवृत्त सभी संविदाओं सम्पत्ति के हस्तांतरण पत्रों, करारों परिनिर्धारणों, पंजादों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखतों का (उनसे भिन्न जो 4 फरवरी, 1978 के पश्चात किए गए हैं या हुए हैं या प्रवृत्त हुए हैं) जिनका प्रान्त्र प्रवेश राज्य के श्रीकाकुलम जिले के बोबिली में सीमा का विनिर्माण करने वाले मेसर्स श्रीराम शुगर एण्ड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड का एकक या उक्त एकक का स्वामित्व रखने वाली कम्पनी एक पक्षकार है, या जो उक्त एकक या कम्पनी को लागू हो, प्रवर्तन 3 अगस्त, 1981 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, अवधि के लिए निवृत्त रहेगा और उक्त आदेश के जारी किए जाने की तारीख से पहले उसके अधीन प्रोद्भूत या उद्भूत सभी अधिकार, विशेषाधिकार बाधताएं और बाधित उक्त अवधि के लिए न संवित रहेंगे।

और केन्द्रीय सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के क्रमशः आदेश सं. का. प्रा. 622 (प्र) / 18-वख / प्राई डी आर ए/ 81 तारीख 4 अगस्त, 1981, का. प्रा. 550 (प्र) / 18 वख / प्राई डी आर ए / 82 तारीख 2 अगस्त, 1982, का. प्रा. 82 (प्र) / 18 वख / प्राई डी आर ए / 83 तारीख 2 फरवरी, 1983, का. प्रा. 548 (प्र) / 18 वख / प्राई डी आर ए / 83 तारीख 2 अगस्त, 1983 और का. प्रा. 66 (प्र) / 18वख / प्राई डी आर ए / 84 तारीख 2 फरवरी, 1984 द्वारा उक्त आदेश की अवधि को सभी मामलों की बाबत उनसे भिन्न जो बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रति प्रतिभूति बाधितों से संबंधित है 2 अगस्त, 1984 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, जारी रखा गया था।

और केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि उक्त आदेश की अवधि को सभी मामलों की बाबत (उनसे भिन्न जो बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रति प्रतिभूत बाधितों से संबंधित है), 21 दिसम्बर 1984 तक की जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है और अवधि के लिए बढ़ा दिया जाए।

प्रतः प्रा. केन्द्रीय सरकार, (उद्योग विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18वख की उपधारा (2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त आदेश की अवधि को सभी मामलों की बाबत उनसे भिन्न जो बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रति प्रतिभूत बाधितों से संबंधित है), 31 दिसम्बर, 1984 तक की जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, और अवधि के लिए बढ़ा दी है।

[का. सं. 4 (4)/78 सी. यू. एन]

ए० पी० सरवन, संयुक्त सचिव

S.O. 557(E)|18FB|IDRA|84.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 958(E)|18FB|IDRA|80, dated the 10th December, 1980 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), declared that the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of the said Order (other than those which have been entered into, arrived at or come into force after the 4th February, 1978), to which the unit of Messrs Sri Rama Sugars and Industries Limited manufacturing sugar at Bobbili in District Srikakulam in the State of Andhra Pradesh of the company owning the said unit is a party or which may be applicable to the said unit or company, shall remain suspended for a period upto and inclusive of the 3rd August, 1981 and all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising there under before the date of issue of the said order shall remain suspended for the said period;

And, whereas, by the Orders of the Central Government in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) Nos. S.O. 622(E)|18FB|IDRA|

81, dated the 4th August, 1981, S.O. 550(E)|18FB|IDRA|82, dated the 2nd August, 1982, S.O. 82(E)|18FB|IDRA|83, dated the 2nd February, 1983, S.O. 548(E)|18FB|IDRA|83, dated the 2nd August, 1983 and S.O. 66(E)|18FB|IDRA|84, dated the 2nd February, 1984, respectively, the duration of the said Order was continued upto and inclusive of the 2nd August, 1984 (in respect of all matters except those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) ;

And, whereas, the Central Government is satisfied that the duration of the said Order in respect of all matters (except those relating to secured liabilities to

banks and financial institutions) should be extended for a further period upto and inclusive of the 31st December, 1984 ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order in respect of all matters (except those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) for a further period upto and inclusive of the 31st December, 1984.

[F. No. 4(4)|78-CUS]
A. P. SARWAN, Jt. Secy.

